ICAR-NRCSS, Ajmer organised farmer training cum field Day on Promoting GAP & IPM based coriander production system at Village Devpura Dist. Baran (Raj.) on 20-03-2023

देवपुरा गांव में किसानों को दिया प्रशिक्षण

धनिया की उन्नत किस्म की दी जानकारी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

अन्ता. भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद राष्ट्रीय बीजीय मसाला केन्द्र अजमेर की ओर से निकटवर्ती ग्राम देवपुरा में आईपीएम आधारित धनिया उत्पादन की उन्नत कृषि पद्धति पर एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। जिसमें केन्द्र निदेशक डॉ. विनय भारद्वाज ने किसानों को उन्नत किस्म एवं कृषि पद्धतियां अपना अधिक लाभ कमाने के गुर बताए। पादप रोग विशेषज्ञ डॉ.वाईके शर्मा ने बीजीय मसालों में होने वाली मुख्य बीमारियां एवं इनसे बचाव की जानकारी दी। इस मौके पर कृषि विज्ञान केन्द्र अन्ता के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. डीके सिंह ने बीजीय मसाला केन्द्र अजमेर की उन्नत किस्मों को इस क्षेत्र में प्रयोग किए जाने की महत्ता बताई। कृषि विभाग के डॉ. धनराज मीणा ने राज्य सरकार की ओर से किसान हित की योजनाओं के बारे में, डॉ. शिवलाल ने धनिया में जैविक खेती अपनाकर पर्यावरण सुरक्षा, डॉ. मुरलीधर मीणा ने बीजीय मसाला उत्पाद के अधिक भाव हासिल करने के लिए उच्च विपणन के सुझाव देने सहित डॉ. चेतन कुमार ने इस क्षेत्र की मृदा समस्याओं के निवारण पर किसानों को प्रशिक्षित किया। डॉ. सुनील कुमार ने कृषि में नवाचार तथा डॉ. वसुन्धरा शर्मा ने बदलते जलवायु परिवेश में उपेक्षित कृषि पद्धतियों के प्रति लाभकारी जानकारी दी। प्रशिक्षण में आए किसानों को अजमेर धनिया-2 किस्म की प्रथम पंक्ति प्रदर्शन का भ्रमण भी कराया गया।

किसान प्रशिक्षण व प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन

न्यूज सर्विस/नवज्योति, अन्ता।

भा कृ. अनु परि राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केन्द्र अजमेर द्वारा ग्राम देवपुरा तहसील अन्ता जिला बारां में सोमवार को एमआईडीएच के अन्तर्गत आईपीएम. आधारित धनियां उत्पादन की उन्नत कृषि पद्धतियों पर एक दिवसीय किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरूआत केन्द्र के निदेशक डॉ. विनय नारद्वाज ने किसानों को उन्नत किस्मों और कृषि पद्धतियों को अपना कर अधिक मुनाफा कमाने के गुर बताए। डॉ. वाई के. शर्मा, पादप रोग विशेषज्ञ ने किसानों को बीजीय मसालों में मुख्य बीमारियों तथा उनका निवारण की महत्वपूर्ण जानकारी दी। कृषि विज्ञान केन्द्र, अन्ता के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. डीके सिंह ने बीजीय मसाला केन्द्र की उन्नत किस्मों की इस क्षेत्र में महत्ता बताई।

कृषि विभाग से पधारे डॉ. धनराज मीणा ने राज्य सरकार द्वारा चलायी जा रही किसान हिती योजनाओं के बारे में बताया। डॉ. शिवलाल ने धनिया में जैविक खेती अपनाकर पर्यावरण सुरक्षा की जानकारी दी। डॉ. मुरलीधर मीना ने बीजीय मसाला उत्पाद के उच्चतम बाजारिय भाव हासिल करने के लिए किसानों को उच्च विपणन सुझाव दिये। डॉ. चेतन कुमार ने इस क्षेत्र में पाई जाने वाली मृदा समस्याओं एवं उनके निवारण पर किसानों को प्रशिक्षित किया। डॉ. सुनिल कुमार ने कृषि में नवाचार के लिए सोशल मिडिया के उपयोगिता बताकर कृषि कार्य में अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। डॉ. वसुन्धरा शर्मा ने बदलते जलवायु के परिवेश में उपेक्षित कृषि पद्धतियों की जानकारी किसानों को दी। प्रशिक्षण कार्यक्रम में भागीदार 100 से अधिक किसानों ने राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केन्द्र अजमेर द्वारा अजमेर घनिया 2 किस्म की प्रथम पंक्ति प्रदर्शन का भ्रमण किया। कार्यक्रम के अन्त में डॉ. मुरलीधर मीणा ने सभी कृषि वैज्ञानिको एवं किसानों भाईयों का आभार जताया। बीजीय मसाला अनुसंधान केन्द्र अजमेर के निदेशक ने कृषि विज्ञान केन्द्र, अन्ता पर धनिया फसल, टमाटर की कलम तकनीक का भी भ्रमण कर यहां हो कृषि विस्तार कार्यों को काफी सराहा है।